UPGK010052822026

न्यायालय : जनपद न्यायाधीश, गोरखपुर।

सिविल प्रकीर्ण वाद संख्या– 256/2026

दुर्गावती देवी बनाम सिद्धनाथ यादव।

06.07.2026

पत्रावली प्रस्तुत हुई।

यह अन्तरण प्रार्थना–पत्र 4 ग सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा– 24 के अन्तर्गत आवेदिका दुर्गावती देवी की ओर से वाद संख्या– 653/2023, दुर्गावती बनाम सिद्धनाथ की पत्रावली, जो वर्तमान समय में सिविल जज (कनिष्ठ संवर्ग), गोरखपुर में लम्बित है, को प्रार्थना–पत्र में वर्णित आधारों पर अन्य किसी सक्षम न्यायालय में अन्तरित किये जाने हेतु प्रस्तुत किया गया है।

अन्तरण प्रार्थना–पत्र 4 ग में आवेदिका का मुख्य रूप से यह कथन है कि वर्तमान समय में सिविल जज (कनिष्ठ संवर्ग), गोरखपुर के न्यायालय में पीठासीन अधिकारी के न होने के कारण रिक्त है। अतः उपरोक्त पत्रावली को किसी अन्य सक्षम न्यायालय में अन्तरित किये जाने का निवेदन किया गया है।

अन्तरण प्रार्थना–पत्र पर आवेदक के विद्वान अधिवक्ता के तर्को को सुना।

सम्बन्धित न्यायालय की पीठासीन अधिकारी अवकाश पर है। अतः उपरोक्त तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में आवेदिका द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र 4 ग स्वीकार किया जाता है। वाद संख्या– 653/2023, दुर्गावती बनाम सिद्धनाथ की पत्रावली, जो वर्तमान समय में सिविल जज (कनिष्ठ संवर्ग), गोरखपुर में लम्बित है, को उक्त न्यायालय से वापस लेकर अतिरिक्त सिविल जज (कनिष्ठ संवर्ग), कोर्ट संख्या– 11, गोरखपुर के न्यायालय में विधि अनुसार निस्तारण हेतु स्थानान्तरित किया जाता है।

जनपद न्यायाधीश,

गोरखपुर।

Digitally signed by RAJ KUMAR SINGH
Date: 2026.07.06 16:43:54 IST
Reason: Document Owner
Location: District and Sessions Court